शिव आरती

ॐ जय शिव ओमकारा, प्रभु जय शिव ओमकारा
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव, अर्द्धांगी धारा
ॐ जय शिव ओमकारा ...

एकानन्द चतुरानन पंचानन राजे
हंसानन, गरुड़ासन वृषवाहन सजे
ॐ जय शिव ओमकारा ....

दो भुज, चार चतुर्भूज दशभुजा अति सोहे
तीनों रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहे
ॐ जय शिव ओमकारा ...

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धरी
चंदन मृगमद सोहै भाले शशिधारी
जय शिव ओमकारा ...

श्वेताम्बर पीताम्बरा बाघम्बर आगे
ब्रह्मादिक सनकादिक प्रेतादिक संगे
ॐ जय शिव ओमकारा ...

करा मध्ये कमण्डलु और त्रिशूल धारी
जग करता जग हर्ता जगपालन करता
जय शिव ओमकारा...

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका
प्रणवकसर के मधय तिनोंह एक

ॐ जय शिव ओमकारा ...

त्रिगुण स्वामी की आरती जो कोई नर गावे
कहत शिवानंद स्वामी मन वांछित फल पावे
जय शिव ओमकारा ...